

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2742-एक/2015 - विरुद्ध -
आदेश दिनांक 13-7-2015 - पारित द्वारा अपर आयुक्त,
भोपाल संभाग, भोपाल - प्र०क्र० 443/2010-11 अपील

- 1- शशिवाई पत्नि स्व.राजमल जैन
- 2- सुनीतावाई पुत्री स्व. राजमल जैन
ग्राम दीपनाखेड़ी तहसील सिरोंज
जिला विदिशा मध्य प्रदेश
- 3- ममतावाई पुत्री स्व.राजमल जैन
पत्नि अनिल जैन निवासी विजयनगर
कपड़ा मिल के पीछे चांदवड़ भोपाल

---आवेदकगण

विरुद्ध

- 1- चकेश पुत्र स्व.राजमल
- 2- अशोक जैन पुत्र स्व.राजमल
- 3- सुनील जैन पुत्र स्व.राजमल
- 4- लक्ष्मीवाई पुत्री स्व.राजमल
सभी ग्राम दीपनाखेड़ी तहसील सिरोंज
जिला विदिशा मध्य प्रदेश

---अनावेदकगण

(आवेदकगण के अभिभाषक श्री नीरज श्रीवास्तव)
(अनावेदकगण के अभिभाषक श्री अनोज गुप्ता)

आ दे श

(आज दिनांक 15-2-2017 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल के प्रकरण
क्रमांक 443/2010-11 अपील में पारित आदेश दिनांक 13-7-15
के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत
प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारोश यह है ग्राम दीपनाखेड़ी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक
190,192,193 कुल किता 3 कुल रकबा 4.046 हैक्टर (आगे जिसे
वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है) के भूमिस्वामी स्वर्गीय संतोषकुमार

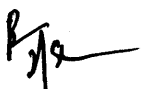
 

थे, जिनकी बेओलाद मृत्यु होने पर नायव तहसीलदार सिरोंज ने प्रकरण क्रमांक 132/अ-6/2009-10 में पारित आदेश दिनांक 18-3-10 से रु. दो लाख के कर्ज अदायगी शर्त स्वरूप वादग्रस्त भूमि के 1/2 भाग पर सुनीता जैन का तथा शेष 1/2 भाग पर आवेदक एवं अनावेदकगण का नामान्तरण स्वीकार किया। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के समक्ष अपील क्रमांक 63/09-10 प्रस्तुत हुई, जिसमें पारित आदेश दिनांक 2-6-11 से नायव तहसीलदार का आदेश दि. 18-3-10 निरस्त किया गया तथा प्रकरण हितबद्ध पक्षकारों को सुनकर पुनः आदेश पारित करने हेतु प्रत्यावर्तित किया गया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल के समक्ष अपील प्रस्तुत होने पर प्र. क्र. 443/2010-11 अपील में पारित आदेश दि. 13-7-15 से अपील निरस्त की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो के तथ्यों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल के प्रकरण क्रमांक 443/2010-11 अपील में पारित आदेश दिनांक 13-7-15 तथा अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के अपील क्रमांक 63/09-10 में पारित आदेश दिनांक 2-6-11 के अवलोकन पर पाया गया कि अनुविभागीय अधिकारी ने आदेश दिनांक 2-6-11 से नायव तहसीलदार सिरोंज के आदेश दिनांक 18-3-10 निरस्त कर प्रकरण हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई करने एवं पुनः आदेश पारित करने हेतु प्रत्यावर्तित किया है और प्रत्यावर्तन आदेश के विरुद्ध अपील श्रवण योग्य नहीं है फिर भी अपर आयुक्त भोपाल संभाग भोपाल ने अग्राह्य अपील में सुनवाई कर गुणदोष के आधार पर आदेश दिनांक 13-7-15 पारित किया है जिसके कारण अपर आयुक्त के आदेश में प्रक्रियात्मक दोष होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

5/ विद्वान अभिभाषकों के तर्कानुक्रम में अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 2-6-2011 एवं नायव तहसीलदार सिरोंज के आदेश

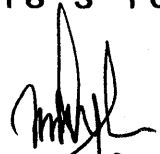




दिनांक 18-3-10 का तुलनात्मक अध्ययन करने पर प्रतीत हुआ कि नायव तहसीलदार ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को सुना है तथा वादग्रस्त भूमि सुनीता जैन के पास रु. दो लाख में बन्धक होना प्रमाणित होने से एवं पंजीकृत बसीयत दिनांक 05 अगस्त 1999 की समीक्षा करते हुये वादग्रस्त भूमि के 1/2 भाग पर सुनीता जैन का तथा शेष 1/2 भाग पर आवेदकगण एवं अनावेदकगण का नामान्तरण मृतक ऋणी भूमिस्वामी की भूमि पर स्वीकार किया है। जब नायव तहसीलदार ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को सुना है एवं साक्ष्य का पूर्ण अवसर प्रदान किया है, अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज द्वारा आदेश दिनांक 2-6-2011 से पक्षकारों को पुनः सुनने एवं साक्ष्य लेने के लिये प्रकरण प्रत्यावर्तित करना पक्षकारों के बीच व्यर्थ मुकदमेवाजी बढ़ाना माना जावेगा। यदि किसी पक्षकार को नायव तहसीलदार द्वारा हक का विनिश्चय असमान करने पर आपत्ति है तब स्वत्व प्रमाणित करने के लिये व्यवहार न्यायालय से आदेश लाने हेतु स्वतंत्र है, जिसके कारण अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज द्वारा अपील क्रमांक 63/09-10 में पारित आदेश दिनांक 2-6-11 स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक 443/2010-11 अपील में पारित आदेश दिनांक 13-7-15 एवं अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज द्वारा अपील क्रमांक 63/09-10 में पारित आदेश दिनांक 2-6-11 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किये जाते हैं। फलतः नायव तहसीलदार सिरोंज द्वारा प्रकरण क्रमांक 132/अ-6/2009-10 में पारित आदेश दिनांक 18-3-10 यथावत् रखा जाता है।

R
1/14


(एम0के0सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर